चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,

आँखें चिलती हैं, नुकीले तेज पत्थर-सी,

खड़ी है सिर झुकाये

सब कतारें/बेजुबाँ बेबस सलाम में

अनगिनत खम्भों व मेहराबों-थमे

दरबारे-आम में।

5. नयी कविता के विकास में मुक्तिबोध के योगदान को रेखांकित कीजिए।

6. 'टूटी हुई बिखरी हुई' कविता के माध्यम से शमशेर की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

7. 'महाप्रस्थान' खण्डकाव्य में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

8. बालस्वरूप राही के गीतों में संवेदनागत विविध पक्षों पर प्रकाश डालिए।

9. नन्दकिशोर आचार्य के काव्य की विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए।



# MAHD–08

## December – Examination 2020

## M.A. (Final) Examination

## HINDI

## आधुनिक हिन्दी कविता और गीत-परम्परा

## Paper : MAHD-08

*Time : **2** Hours* ] [ *Maximum Marks : **80***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'असिद्ध की व्यथा' कविता गिरिजा कुमार माथुर के किस काव्य संकलन से ली गई है ?

(ii) 'कनुप्रिया' काव्य रचना की पौराणिक कथा क्या है ?

(iii) अशोक वाजपेयी की किन्हीं **दो** काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) नवगीत और नयी कविता के अन्त:सम्बन्ध को बताइए।

(v) सोहनलाल द्विवेदी के गीतों का मूल भाव लिखिए।

(vi) गिरिजा कुमार माथुर के काव्य संग्रह 'साक्षी रहे वर्तमान' की काव्य-संवेदना को व्यक्त कीजिए।

(vii) 'लौट आ ओ धार' में प्रतीक योजना को किस प्रकार अभिव्यक्त किया गया है ?

(viii) 'मधुवन्ती बेला' गीत के रचनाकार कौन हैं ?

**खण्ड—ब** **4×16=64**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

क्षितिज-अरगनी पीली चूनर झूल रही
खोयी-खोयी सी मधुवंती बेला में
सोया क्यों है तेरा पवन-झकोरा-मन



जाग रहे नभ की यशवन्ती बेला में
नील झील में डोल रहा है रंगमहल
पीले बादल वाले सांयकाल का
जल में सोन-विहग जैसा है खेल रहा
कोई सूरज-फूल गगन की डाल का।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हिम केवल हिम-
अपने शिव : रूप में
हिम ही हिम अब।
रंग-गंध सब परित्याग कर
भोजपत्रवत् हिमाच्छादित
वनस्पति से हीन
धरित्री-
स्वयं तपस्या!

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भूल-गलती
आज बैठी है, जिरहबरुतर पहनकर
तख्त पर दिल के